No. of Printed Pages : 5 **MVS–011**

P. G. DIPLOMA IN VASTUSHASTRA (PGDVS)

Term-End Examination

June, 2025

MVS-011 : NATURE AND HISTORY OF VASTUSHASTRA

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *This question paper is divided into two Sections. Both Sections are compulsory. Answer the question in accordance with instructions given in each Section.*

Section—A

Note : *Answer any* ***three*** *of the following questions.* 3×20=60

1. Throw light on the definition of Vastushastra and its deliberations.

2. Describe the theory of the origin of Vastushastra and its nature.
3. Prove the relation of Vastu with Dharma while describing its characteristics and nature.
4. Elaborate on the idea of Mukhyadvara (main-door/entry) in the conception of Vastu.
5. Describe the basic principles of Vastushastra.
6. Describe Disha-Sadhana and the idea of Vedha.

Section—B

Note : *Answer any* ***four*** *of the following questions.* 4×10=40

1. Throw light on the classification of Bhukhand (Plots) in Vastu construction.
2. Throw light on the idea of Gramavasa (village dwelling).
3. Describe the considerations in Vastu regarding a Bhukhand (Plot) in the South-eastern corner.
4. Describe the elements of Vastushastra found in the Arthshastra and the Ramayana with examples.

5. Elaborate the elements of Vasushastra found in Dramaturgy texts.
6. What are the ideas in Vastushastra regarding the concept of Panchmahabhuta ? Describe.
7. What is the theory of natural forces in Vastu ? Describe.
8. Describe the conception of time.

MVS–011

वास्तुशास्त्र में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
(पी. जी. डी. वी. एस.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2025

एम.वी.एस.-011 : वास्तुशास्त्र का स्वरूप एवं इतिहास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र दो खण्डों में विभक्त है। दोनों खण्ड अनिवार्य हैं। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

खण्ड—क

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$3 \times 20 = 60$

1. वास्तुशास्त्र की परिभाषा एवं उसके विमर्श पर प्रकाश डालिए।
2. वास्तुशास्त्र की उत्पत्ति के सिद्धान्त एवं उसके स्वरूप का वर्णन कीजिए।
3. वास्तु का लक्षण एवं स्वरूप बताकर उसके धर्म से सम्बन्ध को सिद्ध कीजिए।

4. वास्तु की अवधारणा में मुख्यद्वार के विचार का वर्णन कीजिए।
5. वास्तुशास्त्र के आधारभूत सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
6. दिशा–साधन एवं वेध–विचार का वर्णन कीजिए।

खण्ड—ख

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

$4 \times 10 = 40$

1. वास्तु–निर्माण में भूखण्डों के वर्गीकरण पर प्रकाश डालिए।
2. ग्रामवास–विचार पर प्रकाश डालिए।
3. आग्नेय कोण में भूखण्ड के लिए वास्तु का क्या विचार किया गया है ? वर्णन कीजिए।
4. अर्थशास्त्र एवं रामायण में पाये जाने वाले वास्तुशास्त्र के तत्वों का सोदाहरण वर्णन कीजिए।
5. नाट्यग्रन्थों में प्राप्त वास्तुशास्त्र के तत्वों का वर्णन कीजिए।
6. वास्तुशास्त्र में पञ्चमहाभूत का विचार किस प्रकार किया गया है ? वर्णन कीजिए।
7. वास्तु में प्राकृतिक शक्तियों का क्या सिद्धान्त है ? वर्णन कीजिए।
8. काल की अवधारणा का वर्णन कीजिए।

× × × × ×